विषयसूची

पृ० सं०

१ प्राक्कथन–स्व० डा० राजेंद्रप्रसाद १
२ प्रधान संपादक की भूमिका––डॉ० संपूर्णानंद ३
३ प्रस्तावना–––डॉ० लक्ष्मीनारायण 'सुधांशु' ५
४ हिंदी साहित्य के वृहत् इतिहास की योजना ७
५ विषयसूची

प्रथम खंड

परिस्थितियाँ

ले० डॉ लक्ष्मीनारायण 'सुधांशु'

पृ० सं०

परिस्थितियाँ–– ३
सांस्कृतिक पुनरुत्थान का युग ३
बुद्धिवादी दृष्टिकोण ४
स्वदेशी आंदोलन, स्वदेशी भावना ५
अपनी भाषा और अपनी संस्कृति ६
विभिन्न भाषाओं का प्रभाव ६
उर्दू और हिंदी के आँकड़े ७
बँगला का प्रभाव ८
बँगला वाक्यांश ८
जीवंत भाषा के लक्षण ९
संस्कृति का ऋण "
संस्कृति का अक्षय भंडार १०
उर्दू के शब्द ११
बोलियों से शब्दों का ऋण ११
शब्दसंपद् में अंग्रेजी का युग १२
वाक्यांश और मुहावरा "
३–१३

नामधातु	१२
संज्ञा में क्रिया का योग	१३
विजातीय शब्दग्रहण में निजता	१३
अनुवादात्मक समास	,,
प्रभाव का माध्यम बँगला	१४
बहुमुखी परिवर्तन	,,
द्विवेदीजी की देन	१५
व्यक्तिवादी भावना का उन्मेष	१६
व्यक्ति भावना और पूँजीवाद	,,
प्रगीत	१७
कलात्मक और वैयक्तिक स्वतंत्रता	,,
कला की नई दृष्टि	१८
नए शिल्प माध्यम का प्रयोग	,,
समन्वयवादी दृष्टिकोण	१९
साहित्य के उन्नत भविष्य की भूमिका	,,
अनुसंधान और अध्ययन	२०
सैद्धांतिक समालोचना	,,
वैज्ञानिक कोश	२१
अपेक्षित उन्नति के अवरोध	,,
आरंभिक बीस वर्षों का का विकास	,,
सहायक घटनाएँ : मानवीयता की भावना का प्रादुर्भाव	२२
शताब्दी का आरंभ और साहित्य	,,
नवोन्मेष का काल	२३
पूर्व और पश्चिम का समन्वय	,,
व्यक्तिवादी सौंदर्य चेतना	,,
कलात्मक स्वतंत्रता	२४
सांकेतिक भाषा की उद्भावना	२५
राजनीति में गांधी का प्रवेश	,,
यथार्थ समन्वित आदर्शवाद	२६
साहित्यनिर्माण की वैज्ञानिक दृष्टि	,,
समाजवादी और साम्यवादी दृष्टिकोण	२७
अंतश्चेतनावाद	२८
गद्यमयता	,,
भाषा की पात्रता	२९

	पृ० सं०
हिंदुस्तानी	२९
प्रयोग की कृत्रिमता	३०
संस्थाओं का योगदान	,,
पत्र पत्रिकाएँ	३१
अन्य सहायक स्थितियाँ	३२

द्वितीय खंड

निबंध का उदय

ले० पं० हंसकुमार तिवारी

निबंध साहित्य	३५
परिभाषा और उद्देश्य	३५
भाषण, भूमिका, प्रस्तावना, पत्र. संस्मरण, आत्मकथा, यात्रा आदि।	४७
निबंधों की नई रूपरेखा	४९
गद्य गीत	५३
गद्य गीतों का विकासक्रम	५४
आकार और प्रकार	५८
शैली के रूप और उदाहरण	६१
सामयिक साहित्य तथा निबंधों का क्रमिक विकास	६३
तत्कालीन निबंधकार, उनके निबंध	६७

तृतीय खंड

पत्र पत्रिकाओं का विकास : आलोचना का उदय

ले० डॉ० माहेश्वरी सिंह 'महेश' एम ए०, पी० एच० डी० (लंदन)

प्राचीन भारत में समाचार पत्र	९३
प्रेस और समाचार	,,
शिक्षा की व्यवस्था	,,
समाचार पत्र का आरंभ	९४
देशी भाषा के पत्र और विचारसंघर्ष	९५

पृ० सं०

प्रथम उत्थान :

हिंदी समाचार पत्रों का आरंभ ९५
उदंत मार्तंड ९६

द्वितीय उत्थान : १००

तृतीय उत्थान : १०४

हिंदी समाचार पत्रों की प्रगति—
सामान्य प्रवृत्तियाँ १०९
आज १११
स्वतंत्र ११२
वर्तमान ११२
दैनिक प्रताप ११२
कर्मवीर ११३
देश "
भविष्य "
स्वार्थ "
माधुरी ११४
चाँद ११५
सैनिक ११८
कल्याण "
हिंदू पंच "
बालक, सुधा, विशाल भारत ११९
वीणा, त्यागभूमि, युवक. हंस १२०
भारत, गंगा १२१
हिंदुस्तानी, जागरण १२२
योगी, नवशक्ति १२३
साहित्य, साहित्य संदेश, रूपाभ, सर्वोदय १२४
विश्वभारती पत्रिका, संघर्ष, जनता, १२५
हिंदी आलोचना का उदय १२७
हिंदी कविता १२७
अंधेर नगरी १२८

पृ० सं०

संयोगिता का स्वयंवर नाटक १२९
नूतन ब्रह्मचारी, ,,
मोर ध्वजनाटक १३०
पुस्तक परीक्षा १३४
हिंदी उर्दू १३७

चतुर्थ खंड

समालोचना साहित्य का विकास

ले० डा० शंभुनाथ सिंह

प्रथम अध्याय

भारतेंदुयुगीन आलोचना १४७
द्विवेदीयुगीन आलोचना १४८

द्वितीय अध्याय

आधुनिक आलोचना का उदय १५१
(क) सामाजिक परिपार्श्व ,,
(ख) हिंदी साहित्य की तत्कालीन अंतर्धाराएँ १५५
(ग) तत्कालीन आलोचना पर हिंदीतर आलोचना का प्रभाव १६३

तृतीय अध्याय

सैद्धांतिक आलोचना १७२
(क) शास्त्रीय आलोचना ,,
(ख) समन्वयात्मक आलोचना १७३
संमिश्रणात्मक समन्वय पद्धति १७४
संश्लेषणात्मक समन्वय पद्धति १७५
साहित्य का मूल्य और रामचंद्र शुक्ल १७८
शुक्लजी की समीक्षा की सीमाएँ १८२
अन्य समन्वयवादी आलोचक १८७
लक्ष्मीनारायण सुधांशु १८८
(ग) स्वच्छंदतावादी आलोचना १९३
सुमित्रानंदन पंत १९४
जयशंकर प्रसाद १९५
सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' १९९

महादेवी वर्मा २००
(२) स्वच्छंदतावादी आलोचक २०१
नंददुलारे वाजपेयी २०४
डा० नगेन्द्र २०८
शांतिप्रिय द्विवेद्वी २१३
(घ) उपयोगितावादी आलोचना २१८
प्रमचंद के आलोचनात्मक सिद्धांत २१९
(ङ) मनोविश्लेषणात्मक आलोचना २२२
(१) इलाचंद्र जोशी "
(२) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन २२४
(च) समाजशास्त्रीय आलोचना २२७
डा० हजारीप्रसाद द्विवेदी २२९
(छ) मार्क्सवादी समाजशास्त्रीय आलोचना २३१
(१) प्रकाशचंद्र गुप्त २३३
(२) शिवदान सिंह चौहान २३४
चतुर्थ अध्याय
व्यावहारिक आलोचना
(१) प्राचीन काव्य की आलोचना २३७
(क) काव्यप्रवृत्तियों की समीक्षा २३८
(ख) कवियों और काव्यग्रंथों की समीक्षा २४२
(१) कबीर "
(२) मलिक मुहम्मद जायसी २४६
(३) सूरदास २४९
(४) तुलसीदास २५२
(५) केशवदास २६१
(६) मीराबाई २६४
(७) बिहारीलाल २६६
अन्य मध्यकालीन कवियों की समीक्षा २६९
(२) आधुनिक काव्य की समीक्षा २७३
(क) काव्य प्रवृत्तियों की समीक्षा "
(ख) कवियों और काव्यग्रंथों की समीक्षा २८३
(१) जगन्नाथदास रत्नाकर "
(२) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' २८५
(३) मैथिलीशरण गुप्त "
(४) जयशंकर प्रसाद २८८

(५) सुमित्रानंदन पंत २९१
(६) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला २९३
(७) महादेवी वर्मा २९४
(८) गद्य साहित्य और गद्य लेखकों की समीक्षा २९५
(क) गद्यशैलियों और विधाओं के विकास की समीक्षा २९६
(ख) गद्यलेखकों तथा उनकी कृतियों की समीक्षा २९७
(१) प्रेमचंद २९८
(२) जयशंकर प्रसाद ३०१
समीक्षात्मक निबंध संग्रह ३०३

पाँचवाँ अध्याय

इतिहास और शोधग्रंथ ३०७
(क) हिंदी साहित्य के इतिहास से संबंधित ग्रंथ ,,
(१) रामचंद्र शुक्ल का इतिहास ३०८
(२) श्यामसुंदरदास का 'हिंदी भाषा और साहित्य' ३१२
(३) हरिऔध का 'हिंदी भाषा और साहित्य का विकास' ,,
(४) अन्य इतिहास ग्रंथ ३१३
(ख) काल विशेष के साहित्य का इतिहास ३१५
(ग) 'हिंदी साहित्य की भूमिका' ३१६
(घ) गद्य विधाओं के विकास का इतिहास ३१७
(ङ) शोधप्रधान ग्रंथ और निबंध ३१९
(१) डा० बड़थ्वाल के शोधग्रंथ ,,
(२) हजारीप्रसाद द्विवेदी के शोधपरक ग्रंथ ३२१

छठा अध्याय

उपलब्धियाँ और अभाव ३२३

पंचम खंड

सैद्धांतिक आलोचना

ले० डॉ० रामदरस मिश्र

सैद्धांतिक आलोचना ३३१
स्वच्छंदतावादी (छायावादी) समीक्षा ३४०

(१) आत्मानुभूति की प्रधानता ३४१
(२) सौंदर्यदृष्टि ३४२
(३) काव्य और कल्पना ३४३
(४) अभिव्यक्ति संबंधी दृष्टि ,,
(५) साहित्य का उद्देश्य ३४४
प्रगतिवादी समीक्षा ३४७
मनोविश्लेषणप्रधान आलोचना ३४९
व्यावहारिक आलोचना ३५१
निर्णयात्मक समीक्षा ,,
व्याख्यात्मक समीक्षा ३५४
प्रभाववादी आलोचना ३६१
तुलनात्मक आलोचना ३६३
ऐतिहासिक आलोचना ३६४
अन्य प्रकार की आलोचनाएँ ३६५
रीतिवादी आलोचना ३६६
जीवनीमूलक आलोचना ३६७